



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 37]

नई विल्ली, शनिवार, सितम्बर 13, 1975/भाद्र 22, 1897

No. 37 | NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 13, 1975/BHADRA 22, 1897

इस भाग में चिन्ह पृष्ठ संख्या सी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गए सांविधिक नियम और आदेश

Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई विल्ली, 14 मई, 1975

का० निः ० आ० 283.—केन्द्रीय संरक्षकार, रक्षा संकर्म अधिनियम, 1903 (1903 का 7) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त भक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत संकारक के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० निः ० आ० 273, तारीख 8 नवम्बर, 1966 को अधिकार्त करते हुए घोषित करसी है कि इस उपायक अनुसूची 1 और अनुसूची 2 में वर्णित भूमियों के उपयोग तथा उपयोग पर, रक्षा संकर्म अर्थात् केन्द्रीय आर्डरनेस डिपो, आगरा, जिला आगरा, उत्तर प्रदेश राज्य, के समीप की भूमियों होने के कारण जिससे इन भूमियों को भवती तथा अन्य बाधाओं से मुक्त रखा जाए, उक्त अधिनियम की धारा 7 के खण्ड (ग) में विनिर्दिष्ट निर्देशनों को नीचे विविध सीमा तक अधिरोपित करना आवश्यक है, अर्थात्:—

(क) अनुसूची 1 में वर्णित भूमि के सन्दर्भ में सतह के ऊपर कोई भवन या अन्य निर्माण, और सतह के नीचे कोई खुदाई, भवन या अन्य निर्माण कायम नहीं रखा जाएगा या परिनिर्मित नहीं किया जाएगा :

परन्तु उक्त रक्षा संकर्म के कमांडिंग अफसर के लिखित अनुमोदन से, और ऐसी शर्तों पर जो वह विहित करे सतह के ऊपर कोई भवन या अन्य निर्माण और सतह के नीचे कोई खुदाई, भवन या अन्य निर्माण परिनिर्मित नहीं किया जाएगा :

(ख) अनुसूची 2 में वर्णित भूमि के सन्दर्भ में, सतह के ऊपर कोई भवन या अन्य निर्माण और सतह के नीचे कोई खुदाई, भवन या अन्य निर्माण परिनिर्मित नहीं किया जाएगा :

परन्तु उक्त रक्षा संकर्म कमांडिंग अफसर के लिखित अनुमोदन से, और ऐसी शर्तों पर जो वह विहित करे, सतह के ऊपर कोई भवन या अन्य निर्माण परिनिर्मित किया जा

सकेगा और खुले जंगलों तथा सूखी घनी झाड़ियों की बाड़ों का इस प्रतिबंध से छूट दी जा सकेगी।

2. उक्त धारा 3 की उप-धारा (2) में यानिर्दिष्ट उक्त भूमियों के रेखाचित्र का निरीक्षण जिला मजिस्ट्रेट, आगरा के कार्यालय में किया जा सकेगा।

अनुसूची 1

रक्षा संकर्म अर्थात्, उत्तर प्रदेश राज्य में केन्द्रीय आर्डरनेस डिपो, आगरा, के बाहरी भूंडेर के शिखर से 18.2880 मीटर (20 गज) की दूरी के भीतर आने वाली समस्त भूमि

अनुसूची 2

रक्षा संकर्म, अर्थात् उत्तर प्रदेश राज्य में केन्द्रीय आर्डरनेस डिपो, आगरा, के बाहरी भूंडेर के शिखर से 228.60 मीटर (250 गज) के भीतर आने वाली समस्त भूमि किन्तु इसमें अनुसूची 1 में वर्णित क्षेत्र को छोड़ दिया जाएगा।

[सं० 17(2)/74(डी० जी एस-1)]

एल० दियाल संयुक्त सचिव (जी)

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 14th May, 1975

S.R.O. 283.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Works of Defence Act, 1903 (7 of 1903), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 273, dated the 8th November 1966, the Central Government hereby declares that it is necessary to impose, upon the use and enjoyment of the lands described in Schedule I and Schedule II hereto annexed, being lands in the vicinity of a work of defence, namely, the Central Ordnance Depot, Agra, District of Agra, State of Uttar Pradesh, in order that such land may be kept free from buildings and other obstructions, the restrictions specified in clause (c) of

section 7 of the said Act to the extent specified below, name-
—

) with reference to the land described in Schedule I,
building or other constructions on the surface, and no
excavation, building or other construction below the surface,
all be maintained or erected;

Provided that with the written approval of the Commanding Officer in respect of the said work of defence and on such conditions as he may prescribe, a building or other construction on the surface may be maintained and open railings and dry brush-wood fences may be exempted from this prohibition;

(b) with reference to the land described in Schedule II,
no building or other construction on the surface, and no
excavation, building or other construction below the surface,
shall be erected;

Provided that with the written approval of the Commanding Officer in respect of the said work of defence and on such conditions as he may prescribe, a building or other construction on the surface may be erected and open railings and dry brush-wood fences may be exempted from this prohibition.

2. A sketch plan of the said lands as referred to in sub-section (2) of the said section 3 may be inspected in the Office of the District Magistrate, Agra.

SCHEDULE I

All land comprised in the area lying within a distance of 18.2880 metres (20 yards) from the crest of the outer parapet of the work of defence, namely the Central Ordnance Depot, Agra, in the State of Uttar Pradesh.

SCHEDULE II

All land comprised in the area lying within a distance of 228.60 meters (250 yards) from the crest of the outer parapet of the work of defence, namely the Central Ordnance Depot, Agra, in the State of Uttar Pradesh, but excluding the area described in Schedule I.

{No. 17(2)/74 (D.G.S. I)}

L. DAYAL, Joint Secy.(G)

नई विली, 11 जुलाई, 1975

का० नि० आ० 284.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन विभाग (निरीक्षण महानिवेशालय, नौसेना खण्ड) में पुस्तकालय अध्यक्ष श्रेणी 4 को पद पर भर्ती की प्रस्तुति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधिकृतः—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम रक्षा उत्पादन विभाग (निरीक्षण महानिवेशालय, नौसेना खण्ड) पुस्तकालय अध्यक्ष श्रेणी 4 भर्ती नियम, 1975 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—उक्त पदों की संख्या, वर्गीकरण और उनके वेतनमान ये होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनियिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और अन्य बातें—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें ये होंगी जो पूर्वोंका अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनियिष्ट हैं।

4. निरहंताएं—वह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है ; उक्त पद पर नियुक्ति का पाल नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीप विधि के अधीन अनुज्ञा है और ऐसा करने के लिए अन्य आशार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वही वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखाब्द करके इन नियमों के किसी उपबंध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की आबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. अवासुति—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आवेदनों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की वर्गीकरण	बेतनमान	चयन पद प्रथमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों का वर्गनन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए के लिए शैक्षिक और अन्य प्राप्तुएं	प्रापु-सीमा
1	2	3	4	5	6	7
पुस्तकालय अध्यक्ष	प्रेषी 4	साधारण केन्द्रीय सेवा, संचारों में सिविलियन वर्ग 3	260-6-290-द०रो०- 6-326-8-366- द०रो०-8-390- 10-400 रु	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अनधिक	मैट्रिकुलेशन
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

[एम० एफ० 26045/झी जी आई (एन)-ए/झी (पी आर प्रो झी)]

प्रभर चन्द, प्रबर सचिव

New Delhi, the 11th July, 1975

S. R.O. 284.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Librarian Grade IV in the Raksha Utpadan Vibhag (Nirikshan Mahanideshalaya, Nau Sena Khand), Raksha Mantralaya, namely :—

1. (1) Short title and commencement.—These rules may be called the Raksha Utpadan Vibhag (Nirikshan Mahanideshalaya, Nau Sena Khand) Librarian Grade IV Recruitment Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of posts, Classification and Scale of pay.—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule, annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment of the said posts, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provision of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Corporation Grade 'W'	1	General Central Service civilians in Defence Services Class III, Non-Gazetted, Ministerial	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	Not applicable	Not exceeding 25 years	Matriculation
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or transfer, grades from which promotion to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable

[MF No. 26045/DGI/(N)-A/5619]
AMAR CHAND, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1975

New Delhi, the 5th August, 1975

कानूनिका० 285.—केन्द्रीय सरकार, रक्षा अधिनियम, 1903 (1903 का 7) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषित करती है कि इससे उपावड़ अनुसूची में वर्णित शीलांग जिले में (आसाम राज्य में) स्थित भूमि, जो लेटकोर-पीक, शीलांग स्थित रेल्यॉ रिले हट के समीप है, के उपयोग तथा उपयोग पर निर्बन्धन लगाना आवश्यक है, जिससे कि ऐसी भूमि भवनों और धन्य बाधाओं से मुक्त रहे।

2. उक्त भूमि के रेल्या खाके का निरीक्षण कलेक्टर, शीलांग, जिला शीलांग के कार्यालय में किया जा सकेगा।

अनुसूची

आसाम राज्य में लेटकोर-पीक, शीलांग स्थित रिले हट के बालू मुहर के शिखर से 457.20 मीटर (500 गज) की ऊँचाई के भीतर के क्षेत्र में आने वाली समस्त भूमि।

[संख्या का० 17(3)/74/डी० (जी एस-1)]

एल० दयाल, संयुक्त सचिव (जी)

S.R.O. 285.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Works of Defence Act, 1903 (7 of 1903), the Central Government hereby declares that it is necessary to impose the restrictions specified in clause (c) of section 7 of the said Act upon the use and enjoyment of the land situated in the District of Shillong (in the State of Assam) described in the Schedule hereto annexed, being land in the vicinity of the Radio Relay Hut at LAITKOR-PEAK, Shillong, in order that such land may be kept free from buildings and other obstructions.

2. A sketch plan of the said land may be inspected in the office of the Collector, Shillong, Shillong District.

SCHEDULE

All the land comprised in the area lying within a distance of 457.20 metres (500 yards) from the crest of the outer parapet of the Radio Relay Hut at LAITKOR-PEAK, Shillong, in the State of Assam.

[No. F. 17(3)/74/D(GS. 1)]

L. DAYAL, Joint Secy. (G)